सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 162 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 18 जुलाई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।
–नेल्सन मंडेला

राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग जारी, पीएम मोदी... 8 | 24 के चुनाव से पहले अखिलेश... 3 | सावन का पहला सोमवार: हर-हर महादेव... 7

इस आईएएस अफसर के भ्रष्टाचार के कारनामों को देखकर हैरान हो जाएंगे आप !

मनोज राय के आम्रपाली बिल्डर्स से साठगांठ कर हजारों करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले की ईडी कर रही है जांच, बुलाया था पूछताछ को

महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक मनोज राय पर तबादले में धांधली का आरोप

» सीएम योगी से की गई शिकायत, जांच कर कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में स्वास्थ्य और पीडब्ल्यूडी विभाग के बाद अब महिला एवं बाल विकास विभाग में हुए तबादलों पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस विभाग में भी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस व तबादला नीति को उनके ही अधिकारी धज्जियां उड़ा रहे हैं। आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग लखनऊ में तीन वर्षों से जमे निदेशक मनोज राय न केवल तबादला नीति का दुरुप्रयोग कर रहे हैं बल्कि मोटी रकम लेकर कई कार्मिकों का तबादला भी कर दिया है। यही नहीं, जिन अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट है और जिनकी विजिलेंस जांच चल रही हैं, उनको भी इस भ्रष्टाचार के खेल में निदेशक ने शामिल कर लिया है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य के अलावा सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग से शिकायत की गई है। साथ ही मामले की जांच कराकर पीसीएस से आईएएस बने निदेशक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

अलीगढ़ के नौरंगाबाद निवासी कन्हैया लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को भेजे अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि महिला एवं बाल विकास विभाग लखनऊ में तीन सालों से जमे निदेशक मनोज राय ने विभाग के चार्जशीटेड कर्मचारी आकांक्षा अग्रवाल और प्रवीण कुमार त्रिपाठी के साथ मिलीभगत कर ऐसे कार्मिकों का तबादला कर दिया, जो स्थानांतरण नीति से आच्छादित नहीं थे। अधिकांश तबादले मोटी रकम वसूल कर किए गए। पत्र में कहा गया है कि मनोज राय के तीन साल के कार्यकाल में बुलंदशहर, अयोध्या के संप्रेक्षण गृह में बच्चों की पीट-पीटकर हत्या, लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज जिलों में तमाम बच्चों की मृत्यु एवं संस्थाओं में पलायन की घटनाएं निरंतर हुई है मगर इनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। इसके अलावा महिला कल्याण निगम द्वारा वाराणसी, आगरा, प्रयागराज आदि में वर्किंग वुमेन हॉस्टल संचालित न होने के बाद भी तमाम कार्मिकों को इनमें कार्यरत दिखाकर कूटरचित दस्तावेज के जरिए शासकीय धन का गबन किया जा रहा है जबकि निगम पहले से ही निरंतर घाटे में चल रहा है। कन्हैया लाल ने आरोप लगाया है कि भ्रष्टाचार का विरोध करने वालों को निदेशक द्वारा तुरंत हटाकर अपने मनमाफिक लोगों को उस पद पर आसीन कर दिया जाता है। जिसका उदाहरण सर्वेश पांडेय हैं, जो लखनऊ मंडल के उपनिदेशक पद पर थे, उनका तुलनात्मक रूप से कम कार्यकाल होने के बावजूद उनको हटाकर उनकी जगह पर प्रवीण त्रिपाठी को बिठा दिया गया। प्रभात रंजन को निगम से हटाते हुए बस्ती मंडल में तैनाती प्रस्तावित की गई। गौरतलब है कि मनोज राय नोएडा अथॉरिटी में लंबे समय तक कार्यरत रहे हैं। उनके ऊपर आम्रपाली बिल्डर्स से साठगांठ कर हजारों करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा जांच की जा रही है। इस मामले में ईडी ने उनको पूछताछ के लिए भी बुलाया था।

कुछ के तबादले और कुछ एक ही जगह जमे

पत्र में आरोप लगाया गया है कि क संवर्ग के उपनिदेशक प्रवीण कुमार त्रिपाठी, प्रभात रंजन, बृजेंद्र कुमार सिंह, श्रुति शुक्ला, ख संवर्ग की प्रिया पटेल, सीमा मौर्या, सुधाकर सरन पाण्डेय, अभय कुमार, नंदलाल सिंह, प्रभात कुमार व अभिषेक कुमार पाण्डेय (चर्चित देवरिया शेल्टर होम कांड में चार्जशीटेड) का पैसा लेकर तबादला और तबादले का प्रस्ताव किया गया। बीते सात साल से निदेशालय महिला कल्याण में क संवर्ग में उपनिदेशक पुनीत कुमार मिश्रा, आशुतोष सिंह, नीता अहिरवार, बृजेंद्र सिंह निरंजन के अलीगढ़ मंडल से अवमुक्त किए जाने के आदेश के बाद भी ये सब अधिकारी पुरानी तैनाती स्थल पर कार्यरत है। ख संवर्ग के जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा प्रयागराज में पिछले सात वर्षों से जमे है।

तैनाती के समय थे पीसीएस अधिकारी

विभागीय सूत्रों की माने तो निदेशक महिला कल्याण सीनियर वेतनमान का आईएएस अधिकारी होना चाहिए लेकिन तीन साल पहले मनोज राय की जब इस विभाग में तैनाती हुई तो वह 1997 बैच के जूनियर पीसीएस अधिकारी थे और 2021 में डीपीसी से आईएएस में प्रोन्नति पाए हैं, जिनका वेतनमान ग्रेड पे 6600 जूनियर आईएएस का ही है। पीसीएस अफसर मनोज कुमार राय को 2015 में गाजियाबाद डिवेलपमेंट अथॉरिटी (जीडीए) का ओएसडी बनाया गया था। वे सहायक राज्य संपत्ति अधिकारी भी रहे हैं।

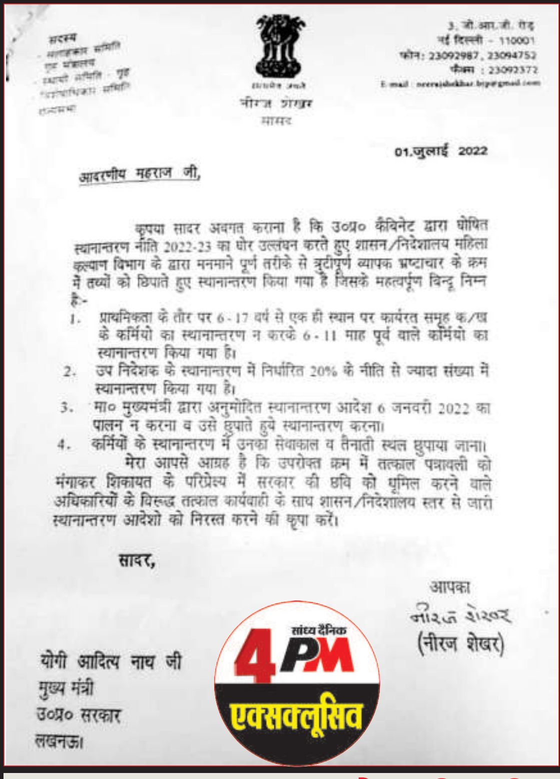

3, जी.आर.जी. रोड
नई दिल्ली - 110001
फोन: 23092987, 23094752
फैक्स : 23092372

नीरज शेखर
सांसद

01.जुलाई 2022

आदरणीय महराज जी,

कृपया सादर अवगत कराना है कि उ०प्र० कैबिनेट द्वारा घोषित स्थानान्तरण नीति 2022-23 का घोर उल्लंघन करते हुए शासन/निदेशालय महिला कल्याण विभाग के द्वारा मनमाने पूर्ण तरीके से त्रुटीपूर्ण व्यापक भ्रष्टाचार के क्रम में तथ्यों को छिपाते हुए स्थानान्तरण किया गया है जिसके महत्वपूर्ण बिन्दु निम्न है:-

1. प्राथमिकता के तौर पर 6-17 वर्ष से एक ही स्थान पर कार्यरत समूह क/ख के कर्मियो का स्थानान्तरण न करके 6-11 माह पूर्व वाले कर्मियो का स्थानान्तरण किया गया है।
2. उप निदेशक के स्थानान्तरण में निर्धारित 20% के नीति से ज्यादा संख्या में स्थानान्तरण किया गया है।
3. मा० मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित स्थानान्तरण आदेश 6 जनवरी 2022 का पालन न करना व उसे छुपाते हुये स्थानान्तरण करना।
4. कर्मियों के स्थानान्तरण में उनका सेवाकाल व तैनाती स्थल छुपाया जाना।

मेरा आपसे आग्रह है कि उपरोक्त क्रम में तत्काल पत्रावली को मंगाकर शिकायत के परिप्रेक्ष्य में सरकार की छवि को धूमिल करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही के साथ शासन/निदेशालय स्तर से जारी स्थानान्तरण आदेशो को निरस्त करने की कृपा करें।

सादर,

आपका
(नीरज शेखर)

योगी आदित्य नाथ जी
मुख्य मंत्री
उ०प्र० सरकार
लखनऊ।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

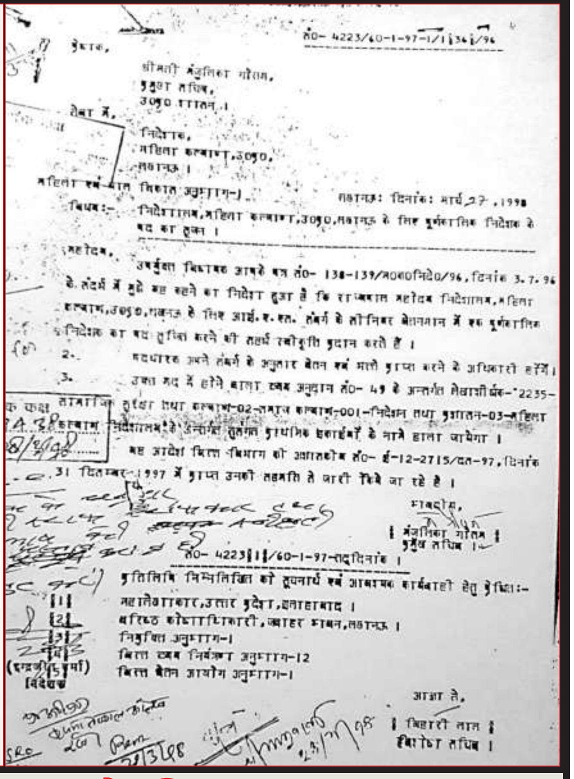

सं०- 4223/60-1-97-1/1(34)/96

प्रेषक,
श्रीमती मंजुलिका गौतम,
प्रमुख सचिव,
उ०प्र० शासन।

सेवा में,
निदेशक,
महिला कल्याण, उ०प्र०,
लखनऊ।

महिला एवं बाल विकास अनुभाग-1 लखनऊ: दिनांक: मार्च 27, 1998

विषय:- निदेशालय, महिला कल्याण, उ०प्र०, लखनऊ के लिए पूर्णकालिक निदेशक के पद का सृजन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०- 138-139/म०क०निदे०/96, दिनांक 3.7.96 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय निदेशालय, महिला कल्याण, उ०प्र०, लखनऊ के लिए आई.ए.एस. संवर्ग के सीनियर वेतनमान में एक पूर्णकालिक निदेशक का पद सृजित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. पदधारक अपने संवर्ग के अनुसार वेतन एवं भत्ते प्राप्त करने के अधिकारी होंगे।
3. उक्त मद में होने वाला व्यय अनुदान सं०- 49 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-"2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-महिला कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग को अशासकीय सं०- ई-12-2715/दस-97, दिनांक 31 दिसम्बर-1997 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,
(मंजुलिका गौतम)
प्रमुख सचिव।

सं०- 4223(1)/60-1-97-तद्दिनांक।

नियुक्ति अनुभाग-1।
वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-12
वित्त वेतन आयोग अनुभाग-1।

आज्ञा से,
(बिहारी लाल)
विशेष सचिव।

सांसद ने भी सीएम को लिखा था पत्र

इस मामले में सांसद नीरज शेखर ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। एक जुलाई 2022 को भेजे पत्र में उन्होंने लिखा कि यूपी कैबिनेट द्वारा घोषित स्थानांतरण नीति 2022-23 का घोर उल्लंघन करते हुए शासन/निदेशालय महिला कल्याण विभाग द्वारा मनमाने, त्रुटिपूर्ण और व्यापक भ्रष्टाचार के क्रम में तथ्यों को छिपाते हुए स्थानांतरण किए गए हैं। प्राथमिकता के तौर पर 6-17 वर्ष से एक ही स्थान पर कार्यरत समूह क / ख के कर्मियों का स्थानांतरण न करके 6-11 माह पूर्व वाले कर्मियों का स्थानांतरण किया गया। उप निदेशक के स्थानांतरण में निर्धारित 20 फीसदी के नीति से ज्यादा संख्या में स्थानांतरण किया गया। कर्मियों के स्थानांतरण में उनका सेवाकाल व तैनाती स्थल छिपाया गया।

सांसद ने इस मामले में शिकायत के परिपेक्ष मे पत्रावली को मंगाकर सरकार की छवि को धूमिल करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही के साथ शासन/ निदेशालय स्तर से जारी स्थानांतरण आदेशों को निरस्त करने का अनुरोध सीएम से किया है।

कई विभागों में तबादलों पर आई थीं आपत्तियां

इससे पहले स्वास्थ्य विभाग व पीडब्ल्यूडी में हुए तबादलों पर काफी आपत्तियां आई थीं। स्वास्थ्य महकमे में डॉक्टरों ने आरोप लगाया था कि तबादला नीति को दरकिनार करके ट्रांसफर किए गए। एक जिले में तैनात पति-पत्नी का ट्रांसफर अलग-अलग जिलों में कर दिया गया। इसके अलावा रिटायरमेंट में कुछ ही महीने शेष रहने वाले डॉक्टरों का तबादला भी कहीं दूर कर दिया गया। दिव्यांग डॉक्टरों का भी ट्रांसफर घर से दूर कर दिया गया। पीएमएस एसोसिएशन ने भी तबादलों पर आपत्तियां जताते हुए संशोधन की मांग की थी।

ट्रांसफर में गड़बड़ी पर योगी ने बैठाई जांच, मांगी है रिपोर्ट

यूपी में हेल्थ और पीडब्लूडी विभाग में हुए ट्रांसफर में लापरवाही की शिकायत जब सीएम योगी के पास पहुंची तो उन्होंने जांच बैठा दी। सीएम ने मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र की अगुवाई में तीन बड़े अफसरों का एक्सपर्ट पैनल बनाया और पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी। जांच पैनल में चीफ सेक्रेटरी के अलावा एसीएस होम अवनीश अवस्थी और एसीएस आबकारी संजय भुसरेड्डी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग में हुए ट्रांसफर पर खुद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सवाल उठाए थे। उन्होंने विभाग के अपर मुख्य सचिव को तलब किया था। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग में भी ट्रांसफर को लेकर आपत्तियां आई थीं।

नकवी को प्रत्याशी नहीं बनाए जाने पर रामपुर की उम्मीदों को झटका

» भाजपा ने उनके बजाय धनखड़ को घोषित किया प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को प्रत्याशी न बनाए जाने से रामपुर के लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है। नकवी ने इसी महीने छह तारीख को केंद्र सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। दरअसल, उनका राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया था। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा सदस्य भी नहीं बनाया। इसके पहले रामपुर में हुए लोकसभा उपचुनाव में नकवी को प्रत्याशी नहीं बनाया गया था, जिसके बाद रामपुर के लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें कोई और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

ऐसे भी कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी उन्हें उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बना सकती है, लेकिन भाजपा ने उनके बजाय पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को प्रत्याशी घोषित कर दिया। इससे रामपुर के लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है। बता दें कि नकवी का रामपुर से गहरा नाता रहा है। वह 1998 में रामपुर से ही लोकसभा सदस्य चुने गए थे। तब अटल बिहारी वाजपेई सरकार में राज्यमंत्री भी बने। वह देश के ऐसे मुस्लिम नेता हैं, जो सबसे पहले भाजपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव जीते। उनसे पहले कोई भी मुस्लिम नेता भाजपा के टिकट पर लोकसभा सदस्य नहीं बन सका था। हालांकि इसके बाद वह लोकसभा चुनाव नहीं जीत सके। लेकिन, भाजपा उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाती रही। मोदी की पिछली सरकार में भी वह अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रहे और मौजूदा सरकार में भी कैबिनेट मंत्री रहे। पिछले साल जुलाई में भी तो उन्हें राज्यसभा में उप नेता बना दिया गया था। इससे उनका राजनीतिक कद और बढ़ गया था। लेकिन सालभर बाद ही उनका उपनेता और मंत्री का पद भी जाता रहा। अब उनके समर्थक कयास लगा रहे हैं कि उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल बनाया जा सकता है।

युवाओं को दो करोड़ टैबलेट व स्मार्टफोन देने का रास्ता साफ

» योगी कैबिनेट ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में लोक कल्याण संकल्प पत्र को पूरा करने में जुटी है। इसके तहत योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट बैठक में युवाओं को अगले पांच वर्षों के दौरान दो करोड़ टैबलेट/स्मार्टफोन देने के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना से युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष किया जा सकेगा। लोक कल्याण संकल्प पत्र में भाजपा ने इसकी घोषणा की थी। योजना के क्रियान्वयन के बारे में शासनादेश जारी होने की संभावना है।

दो करोड़ टैबलेट/स्मार्टफोनदेने के लिए आपूर्तिकर्ता कंपनियों के चयन की खातिर सरकार नए सिरे से टेंडर आमंत्रित करेगी। वहीं अपने पिछले कार्यकाल के दौरान स्मार्टफोन और टैबलेट पाने से वंचित रह गए 5.38 लाख युवा छात्रों को भी सरकार यह सौगात देने जा रही है। योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में युवाओं को बांटने के लिए 17.7 लाख स्मार्टफोन व टैबलेट की आपूर्ति के लिए चयनित कंपनियों को आर्डर दिया था। इनमें 7.2 लाख टैबलेट और 10.5 लाख स्मार्टफोन शामिल थे। स्मार्टफोन और टैबलेट के लिए लगभग 38 लाख युवा छात्रों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया था। सरकार ने तय किया था कि उच्च शिक्षा से जुड़े स्नातक, परास्नातक व अन्य पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्रों को ही स्मार्टफोन व टैबलेट दिए जाएंगे।

उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा पर आतंकी हमले का इनपुट, अलर्ट

» इस वर्ष की यात्रा पर आतंकियों की नापाक नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। सावन का पवित्र महीना शुरू हो चुका है। हिंदू धर्म में सावन का पूरा महीना भगवान महादेव के लिए समर्पित माना जाता है। सावन के पवित्र महीने में हर साल हरिद्वार में भक्तों का हुजूम उमड़ता है। प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं, लेकिन इस वर्ष की कांवड यात्रा पर आतंकियों की नापाक नजर बनी हुई है,जिसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है। देश में वर्तमान हालात को देखते हुए कांवड यात्रा पर आतंकवादी खतरा मंडरा रहा है। इसके मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश समेत संबंधित राज्यों को अलर्ट जारी किया है।

कांवड यात्रा को आतंकियों के बुरे साये से बचाने के लिए हरिद्वार से लेकर ऋषिकेश तक पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।बता दें कि 14 जुलाई को सावन लगने के साथ ही कांवड यात्रा शुरू हो चुकी है, हर साल सावन के पवित्र महीने में लाखों शिवभक्त यूपी, हरियाणा, दिल्ली, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों से हरिद्वार, ऋषिकेश पहुंचकर पवित्र गंगा जल को ले जाते हैं। पिछले दो साल कोविड के चलते कांवड यात्रा बंद रही, जिसके कारण इस बार करोड़ों की संख्या में शिवभक्तों के पहुचंने का अनुमान है। शिवभक्तों के हुजूम को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम पहले से ही किए हुए हैं, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय की चेतावनी के बाद अब पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। आशंका है कि आतंकी कांवड़ियों के भेष में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं।

धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाना बिरादरी का सम्मान : टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर हर्ष जताया है। उन्होंने कहा कि राजग की ओर से धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना बिरादरी के लिए सम्मान की बात है। नरेश टिकैत ने सिसौली स्थित अपने आवास पर बातचीत में कहा कि यह अच्छी बात है कि देश के होने वाले उपराष्ट्रपति किसान परिवार से हैं। हमारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। वह अच्छे व्यक्ति हैं। कहा कि किसानों के लिए भी सम्मान की बात है।

किसान परिवार में पैदा होने वाला व्यक्ति देश के इतने ऊंचे पद पर यदि बैठता है तो सभी लोगों को खुशी होती है। हम स्वयं इससे बेहद खुश और गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। देश के इतने सर्वोच्च पद को किसी राजनीतिक दल से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। जगदीप धनखड़ को एनडीए से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर फैजपुर निनाना गांव में खुशी का माहौल है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रोहित धनखड़ ने बताया कि देश में धनखड़ खाप का नाम रोशन हुआ है। समाज के लोगों में खुशी का माहौल है। उनकी जीत की प्रार्थना की गई। युवाओं ने मिठाइयां बांटकर और ढोल की थाप पर डांस कर खुशी का इजहार किया।

विधायकों को मिली पहली किस्त विकास कार्यों को मिलेगी गति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा जिले के विधायकों के लिए विधायक निधि में डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी हो गई है। विधानसभा क्षेत्रों में अब विकास कार्य शुरू हो सकेंगे। इस बार शासन ने विधायक निधि को पांच करोड़ रुपये कर दिया है। कोरोना के कारण दो साल से विधायक निधि नहीं मिलने के कारण विकास कार्य रुके हुए थे। विधायक निधि जारी होने के बाद भी जिले के नौ विधायकों में सात ने कार्यों के प्रस्ताव ही नहीं दिए हैं।

दो विधायकों ने सड़क और सीसी निर्माण कार्यों के प्रस्ताव दिए हैं। इनमें ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं महिला बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने दस कार्यों का प्रस्ताव दिया है। आगरा छावनी से विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने 14 कार्य बताए हैं। बाकी सात विधायकों के प्रस्तावों का इंतजार है। 2020 से कोरोना के कारण विकास का पहिया थम गया है। विधायकों को निधि भी नहीं जारी की गई थी। जिले में नौ विधायक हैं। जिन्हें पांच साल में 45 करोड़ रुपये विकास कार्यो के लिए मिलेंगे। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के प्रभारी परियोजना निदेशक राजकुमार लोधी ने बताया कि जिन विधायकों के प्रस्ताव मिल चुके हैं, उनके कार्यों को जल्द शुरू कराया जाएगा। विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव भेजने के संबंध में सभी विधायकों को पत्र भेजा गया है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

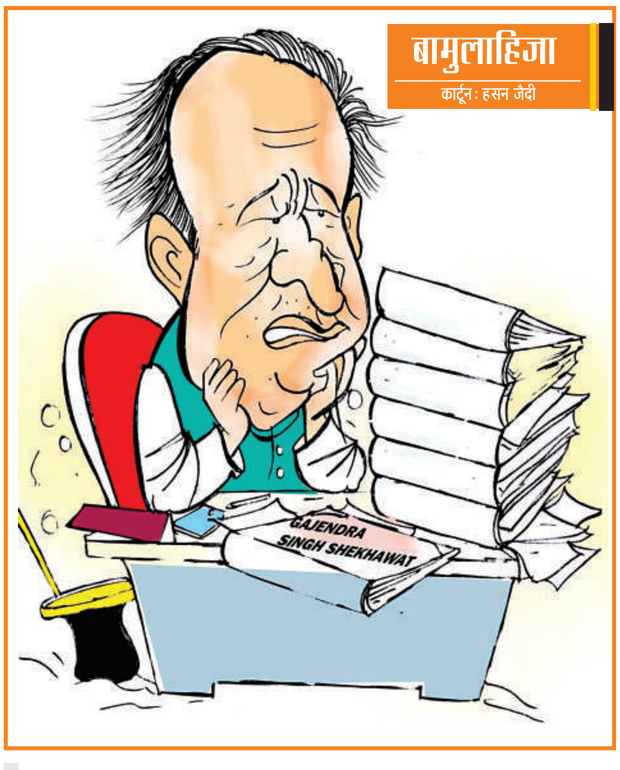

लुलु मॉल घूमने आए सपा विधायक की गाड़ी तोड़ी, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर के सपा विधायक इरफान सोलंकी रविवार शाम लुलु मॉल घूमने आए थे। मॉल के बाहर उनकी गाड़ी खड़ी थी। किसी ने उनके गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। वापस आने पर देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने रियाज सोलंकी की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। एडीसीपी साउथ राजेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक कानपुर के शीशामऊ क्षेत्र से इरफान सोलंकी विधायक हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के लिए इरफान सोलंकी लखनऊ पहुंचे थे।

इस बीच भाई व साथियों के साथ लुलु मॉल घूमने के लिए गए थे। इस दौरान एसयूवी को मॉल के बाहर खड़ी कर दिया था। इसके बाद वह अंदर घूमने चले गए। एडीसीपी के मुताबिक, वापस बाहर आए तो देखा कि एसयूवी का पिछला शीशा और लाइटें किसी ने तोड़ दी हैं। पास में ही बीयर की बोतल पड़ी मिली। एडीसीपी के मुताबिक सोलंकी के भाई रियाज की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फुटेज के आधार पर तोड़फोड़ करने वाले की तलाश की जा रही है।

24 के चुनाव से पहले अखिलेश को अकेला करने की 'भाजपा की चाहत'

» शिवपाल यादव के बाद राजभर ने भी दिया गठबंधन तोड़ने का संकेत

» राजभर की नाराजगी के बाद बिखर रहा सपा का पॉलिटिकल कुनबा

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। सीएम योगी से बात और अमित शाह से मुलाकात के बाद सुभासपा के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के तेवर बदले से नजर आ रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की घोषणा क्या की कि राजनीति इस बात पर शुरू हो गई है कि 2024 के लोक सभा चुनाव में अखिलेश यादव अकेले रहेंगे। गठबंधन टूट जाएगा। कई छोटे दल भी बिखरेंगे।

कयास ये भी लगाए जा रहे कि लोक सभा चुनाव के पहले जयंत भी साथ छोड़ सकते हैं। शिवपाल यादव भी अखिलेश से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। वह अपनी पार्टी को मजबूत करके नगर निकाय चुनाव में सपा के खिलाफ प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर रहे हैं। सपा का सहयोगी रहा महान दल भी अब गठबंधन से अलग है। ऐसे में अखिलेश का पॉलिटिकल कुनबा बिखर रहा है। चर्चा ये भी है कि लोक सभा चुनाव से पहले अखिलेश को अकेला करने की ये भाजपा की चाल है। अमित शाह द्वारा राष्ट्रपति चुनाव में राजभर पर चला गया दांव काम कर गया। ऐसे में भाजपा की पूरी कोशिश है कि 24 में 80 में से 75 सीटें जीती जाए, तभी विपक्ष को पूरी तरह कमजोर किया जा सकता है। गौर करें अगर तो ओम प्रकाश राजभर का भाजपा के रात्रिभोज में जाना इसलिए सियासी नजरिए से अहम है क्योंकि अखिलेश यादव का खेमा विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का समर्थन कर रहा है। इस वजह से राजभर की समाजवादी पार्टी से तल्खी के बीच भाजपा से नजदीकी की भी चर्चा हो रही है। हालांकि ओपी राजभर ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ओर से गठबंधन का रिश्ता नहीं तोड़ेंगे। ओपी राजभर यहां तक कह रहे हैं कि वे तलाक नहीं देंगे अगर देना ही है तलाक तो खुद अखिलेश यादव दे दें।

जयंत अखिलेश के साथ सिर्फ अपने मतलब से

सुभासपा के मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने तीन दिन पहले स्पष्ट कर दिया था कि योगी और अमित शाह के कहने पर ही एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर रहे हैं। शिवपाल यादव भी मुर्मू के सम्मान में सीएम आवास पर हुए डिनर में शामिल हुए थे। वरिष्ठ पत्रकार सैयद कासिम कहते हैं कि ऐसा ही चलता रहा तो 2024 तक अखिलेश यादव अकेले रह जाएंगे। जयंत चौधरी अखिलेश के साथ सिर्फ अपने मतलब से हैं। जयंत को पता था कि विधान सभा चुनाव में मुस्लिम सपा के साथ जुड़ा हुआ है। जिस दिन जयंत को लगेगा कि मुस्लिम साथ छोड़ रहा है तब जयंत अपना नुकसान नहीं करना चाहेंगे।

2024 तक बदल सकते हैं समीकरण

आजमगढ़ और रामपुर में हुए लोक सभा उपचुनाव के नतीजे बदलते समीकरण को बताते हैं। 24 में इन दोनों सीटों पर भी भाजपा मजबूत दावेदारी पेश करेगी क्योंकि उपचुनाव में भाजपा ने दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है। सैयद कासिम कहते हैं कि आजमगढ़ व रामपुर के नतीजे ये बताने के लिए काफी है कि मुस्लिम भी अखिलेश का साथ छोड़ रहा है। अखिलेश के साथ अब मुस्लिम नहीं रहने वाला। लोक सभा चुनाव में मुस्लिमों की पसंद पहले से भी कांग्रेस रही है।

भाजपा को मिलेगा बिखरे विपक्ष का फायदा

दोनों उप-चुनाव के नतीजों से उत्साहित भाजपा ने 2024 के लिए टारगेट सेट किया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यूपी में जातीय समीकरण टूट रहे हैं। भाजपा को हर जाति और मजहब का वोट मिल रहा है। आजमगढ़ और रामपुर के नतीजों ने साबित किया है कि अब जाति-धर्म या वंशवाद के नाम पर कोई दुर्ग नहीं बना सकेगा। 2024 में भाजपा 80 में से पूरे 80 सीटें जीतना चाहती है।

एक-एक कर खुल रही है गठबंधन की गांठ

विधानसभा चुनाव से पहले सपा मुखिया अखिलेश ने आरएलडी, सुभासपा, महान दल, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी, एनसीपी, जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट), अपना दल (कमेरावादी) जैसे दलों के साथ गठबंधन किया। चुनाव के बाद अब एक-एक कर गठबंधन के ये साथी साथ छोड़ रहे हैं। गठबंधन में जयंत की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल व सुभासपा ही बड़े दल हैं बाकियों के पास वोट बैंक कम है।

लोक सभा चुनाव फतह करने को भाजपा ने तैयार की रणनीति, दिग्गजों को लगाया मोर्चे पर

» 2019 से भी बड़ी जीत का तय किया लक्ष्य, 141 केंद्रीय मंत्रियों को उतारा

» हारी सीटों पर विशेष फोकस, लाभार्थियों तक पहुंच बनाने का भी खाका तैयार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव को फतह करने के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बड़ी रणनीति तैयार की है। साथ ही 2019 से बड़ी जीत का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए भाजपा ने अभी से दिग्गजों को मोर्चे पर लगा दिया है। पार्टी हारी सीटों पर विशेष फोकस कर रही है। वहीं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के एक-एक लाभार्थियों तक पहुंच बनाने का खाका तैयार किया है।

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2019 से भी बड़ी जीत मिले इसके लिए पार्टी ने रणनीति के तहत अभी से मिशन 2024 पर काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी ने उन 141 सीटों पर विजयी पताका फहराने की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्रियों को सौंपी है, जिन पर 2019 के चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। कुछ बड़े केंद्रीय मंत्रियों को छोड़कर बाकी लगभग सभी मंत्रियों को इस काम में लगाया गया है। मंत्रियों को सीटवार जिम्मेदारी दी गई है जो अपने-अपने इलाकों में प्रवास करके और बैठकों के जरिए जीत की प्रभावी रणनीति बनाएंगे। सूत्रों की मानें तो जिन मंत्रियों को 141 सीटों को जिताने की जिम्मेदारी दी गई है, वह अगले दो साल तक यानी 2024 के आम चुनाव तक इन क्षेत्रों में जाकर काम करेंगे और जीत हासिल करने की रणनीति तैयार करेंगे। वहीं 2019 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में हारीं 14 सीटों पर अब 2024 में पार्टी का झंडा फहराने के लिए पार्टी ने चार समूह बनाए हैं। इनमें सपा, बसपा कांग्रेस के कब्जे वाली सीटें शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सहारनपुर, नगीना और बिजनौर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर रायबरेली, मऊ, घोसी, श्रावस्ती और अंबेडकर नगर की जिम्मेदारी संभालेंगे। राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह मुरादाबाद, अमरोहा और मैनपुरी का काम देखेंगे। राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी को जौनपुर, गाजीपुर व लालगंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यूपी के अलावा स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को पंजाब की लुधियाना, संगरूर और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पंजाब की आनंदपुर साहिब सीट की जीत की जिम्मेदारी संभालेंगे। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव महाराष्ट्र की बुलढाणा और औरंगाबाद की सीटें पर जीत की रणनीति बनाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को महाराष्ट्र में शरद पवार के गढ़ में बारामती में जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। क्षेत्र में ये मोदी और प्रदेश की भाजपा सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।

इन्हें भी जिम्मेदारी

सूत्रों का कहना है कि मध्य प्रदेश में पिछले कई दशकों से कमलनाथ के कब्जे वाली छिंदवाड़ा और छत्तीसगढ़ की कोरबा की सीटों पर पार्टी को विजय दिलाने का जिम्मा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के कंधों पर है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे केरल की त्रिशूर और उत्तर प्रदेश की संभल सीट की जिम्मेदारी संभालेंगे। तेलंगाना की नलगोंडा, महबूबनगर और नगरकुरनूल सीट पर पार्टी जीत दर्ज करे, ये जिम्मेदारी महेंद्र नाथ पांडेय के जिम्मे है। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला तेलंगाना की आदिलाबाद, पेडापल्ली, मैंढक व जाहिराबाद और राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल को छत्तीसगढ़ की रायगढ़ व झारखंड की गिरिडीह सीट का काम सौंपा गया है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री वीके सिंह तमिलनाडु में शिव गंगा, वेल्लूर, कन्याकुमारी और तिरुवल्लूर की सीटों के लिए रणनीति निर्माण से जुड़ेंगे। अन्य राज्यों की सीटों के लिए भी केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पर्यावरण संरक्षण और सूखते पौधे

"प्रदेश में जोर-शोर से चलाया जा रहा पौधरोपण अभियान अपने पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य से भटकता नजर आ रहा है। तमाम दावों के बावजूद पौधों का रोपण कर भूलने की प्रवृत्ति में किसी प्रकार का बदलाव नहीं दिख रहा है। हालत यह है कि पौधे देखरेख के अभाव में सूख रहे हैं।

प्रदेश में जोर-शोर से चलाया जा रहा पौधरोपण अभियान अपने पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य से भटकता नजर आ रहा है। तमाम दावों के बावजूद पौधों का रोपण कर भूलने की प्रवृत्ति में किसी प्रकार का बदलाव नहीं दिख रहा है। हालत यह है कि पौधे देखरेख के अभाव में सूख रहे हैं। अकेले मेरठ के गांवड़ी गांव में रोपे गए आठ हजार पौधों में अधिकांश सूख गए हैं। यह स्थिति तब है जब इनके देखरेख की जिम्मेदारी तमाम विभागों को सौंपी गयी है। सवाल यह है कि करोड़ों खर्च कर लगाए जा रहे पौधों की देखरेख में लापरवाही क्यों बरती जा रही है? सरकार के आदेशों की धज्जियां क्यों उड़ायी जा रही हैं? क्या ऐसे ही प्रदेश में वन क्षेत्र के विस्तार का लक्ष्य पाया जा सकेगा? क्या पौधरोपण अभियान सिर्फ पौधा लगाने और तस्वीर खिंचवाने तक सीमित रह गया है? अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभाग गंभीर क्यों नहीं हैं? क्या प्रदेश को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण का संरक्षण सपना बनकर रह जाएगा?

प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर हर बार की तरह इस बार भी वृहद पौधरोपण अभियान शुरू किया है। इस अभियान में वन विभाग समेत 27 विभाग लगे हुए हैं। सभी को प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है। इसके पहले 2021 में प्रदेश में करीब 30 करोड़ पौधे रोपे गए थे। पौधरोपण के जरिए प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। सरकार ने पांच साल में प्रदेश भर में जहां 175 करोड़ पौधों को रोपने व वन क्षेत्र को प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 15 फीसदी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। फिलहाल यूपी का कुल वन क्षेत्र महज 9.23 फीसदी है लेकिन सरकार यह लक्ष्य पा लेगी इसकी उम्मीद अभियान में बरती जा रही लापरवाही को देखते हुए नहीं दिख रही है। प्रदेश में ताम-झाम के साथ पौधरोपण अभियान की शुरूआत तो कर दी गयी लेकिन पौधों की देखभाल की कोई व्यवस्था नहीं की गयी। लिहाजा तमाम क्षेत्रों में हाल में लगाए गए पौधे सूखने लगे हैं। अभियान के महज दस दिन के भीतर हजारों पौधे सूख चुके हैं। यह स्थिति तब है जब प्रदेश सरकार ने पौधों की देखभाल के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। जाहिर है सरकार के आदेशों का कोई असर जमीन पर नहीं दिख रहा है और पौध रोपण कर भूलने की प्रवृत्ति अभी तक खत्म नहीं हुई। यदि यही हाल रहा तो प्रदेश को हरा भरा रखने और पर्यावरण संरक्षण का दावा हकीकत में शायद ही कभी उतर सके। सरकार यदि वन क्षेत्र के विस्तार के लक्ष्य को हासिल करना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाही करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जब राष्ट्रपति चुनाव ने बदल दी थी इंदिरा की छवि

डॉ. राकेश पाठक

देश के अगले राष्ट्रपति का चुनाव आज हो रहा है। दोनों तरफ के उम्मीदवार राज्यों की राजधानियों में घूम घूम कर सांसदों, विधायकों से संपर्क कर चुके हैं। एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा हैं। राष्ट्रपति चुनाव हो और अन्तरात्मा की आवाज का जुमला याद न आये ऐसा प्राय: होता नहीं है। वैसे तो राजनीति में अंतरात्मा नाम की चिड़िया विलुप्त ही मानी जाती है फिर भी...सिर्फ राजनीति को कोसना ठीक नहीं बाकी भी कहीं नही मिलती अंतरात्मा ..!

खैर बात निकली है तो आइए जानते हैं कि ये अंतरात्मा की आवाज का चक्कर क्या है.. ? आखिर ये आवाज सबसे पहले कब, क्यों ,किसने लगाई थी..? इस चुनाव में ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला फिर भी ये जान लेना समीचीन होगा कि तब क्या-क्या हुआ था। बात 1969 की है। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन का अचानक इंतकाल हो गया। आजादी के बाद यह पहला अवसर था जब किसी राष्ट्रपति का पद पर रहते निधन हुआ था। उपराष्ट्रपति वराह गिरि वेंकट गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाये गए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चाहतीं थीं कि गिरि ही राष्ट्रपति बनें। उस दौर में कांग्रेस पार्टी में एक सिंडीकेट बन गया था जो इंदिरा को गूंगी गुड़िया मानकर पटखनी देने की फिराक में था। सिंडीकेट में कामराज, एस के पाटिल, अतुल्य घोष सरीखे खांटी कांग्रेसी दिग्गज थे जो इंदिरा गांधी को अपने इशारों पर चलाना चाहते थे लेकिन इंदिरा अपनी स्वतन्त्र छवि बना रहीं थीं।

पार्टी अध्यक्ष एस निजलिंगप्पा, कामराज, मोरारजी देसाई सहित तमाम दिग्गज इस फेर में थे कि इस चुनाव में इंदिरा को धूल चटा दी जाए। पार्टी ने इंदिरा की मर्जी के खिलाफ नीलम संजीव रेड्डी को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इंदिरा गांधी ने दुस्साहसिक कदम उठाया और वी वी गिरि को उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिलवा कर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद की लड़ाई में उतार दिया।

स्वतंत्र पार्टी, जनसंघ और अन्य विपक्षी दलों ने अपने संयुक्त उम्मीदवार के रूप में चिंतामणि द्वारिकानाथ देशमुख को उतार दिया। देशमुख नेहरू मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री रहे थे। इसी मौके पर इंदिरा गांधी ने वो ऐतिहासिक अपील की जो आजतक याद की जा रही है। इंदिरा ने अपील की-कांग्रेसजन अपनी अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें। इंदिरा गांधी ने तब सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से (गैर कांग्रेसी भी) सीधे संपर्क किया। 16 अगस्त को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ और 20 अगस्त 1969 को मतों की गिनती हुई । अंतत: इंदिरा गांधी के प्रत्याशी वी वी गिरि चुनाव जीत कर राष्टपति बने और कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी हार गए। रेड्डी लोकसभा अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष तक रह चुके थे और सिंडिकेट के दम लगाने पर भी खेत रहे। गिरि राष्ट्रपति बनने से पहले केंद्रीय मंत्री, कई राज्यों के राज्यपाल रहे थे।

श्रम मंत्री के रूप में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा था। आज भी मजदूरों के हक की कई बातों का श्रेय गिरि को ही जाता है। वे आयरलैंड में कानून की पढ़ाई करने गए थे और तब के महान क्रांतिकारियों से संर्पक में रहे थे। देश लौट कर गांधी जी के साथ स्वतंत्रतता आंदोलन में कूद गए थे। कई निर्दलीय उम्मीदवार लड़े थे चुनाव। सन 1967 के इस चुनाव में बहुत से अन्य नेता भी निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने वी वी गिरि तो निर्दलीय थे ही चिंतामणि देशमुख के अलावा प्रतापगढ़ के स्वतन्त्रता सेनानी चंद्रदत्त सेनानी, पंजाब की गुरुचरण कौर, बॉम्बे के नेता पीएन राजभोग, चौधरी हरिराम, खूबीराम,कृष्ण कुमार चटर्जी भी मैदान में थे। इनमें से कुछ को तो एक भी वोट नहीं मिला।

कांग्रेस का औपचारिक विभाजन

इस चुनाव का दूरगामी असर हुआ। पहला तो यह कि इंदिरा गांधी गूंगी गुडिया की छवि से न केवल मुक्त हो गईं बल्कि सिंडीकेट के दिग्गजों को धूल चटाकर निर्द्वंद्व नेता बन गईं। दूसरा यह कि कांग्रेस पार्टी विभाजन के कगार पर पहुंच गई। राष्ट्रपति चुनाव के बाद नवंबर 1969 में पार्टी दो फाड़ हो गयी।

अपने गठन के लगभग 84 साल बाद कांग्रेस पार्टी में यह बहुत बड़ा औपचारिक विभाजन था। यद्यपि 1885 में अपनी स्थापना के बाद कांग्रेस में पहला विभाजन 1907 में सूरत अधिवेशन में हुआ था जहां पार्टी नरम दल और गरम दल में बंट गई थी। संन 1969 में हारने वाले नीलम संजीव रेड्डी के भाग्य में राष्ट्रपति बनना लिखा ही था। आपातकाल के बाद 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी और तब नीलम संजीव रेड्डी निर्विरोध राष्ट्रपति बने। वे निर्विरोध चुने गए एक मात्र राष्ट्रपति थे।

(लेखक Karmveer News के प्रधान संपादक हैं।)

रुपये में लेन-देन से बढ़ेगा विदेश व्यापार

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय यूक्रेन संकट के बीच भारत के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में व्यापार-कारोबार और निर्यात बढ़ाने के दो तरह के अभूतपूर्व मौके निर्मित हुए हैं। एक, 11 जुलाई को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय से जहां डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान, एशिया और अफ्रीका सहित कई छोटे-छोटे देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार तेजी से बढ़ेगा, वहीं भारतीय रुपया मजबूत होगा, भारत का व्यापार घाटा कम होगा और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ेगा। दो, इस समय जब दुनिया रूस और अमेरिकी-यूरोपीय कैम्प में बंटती हुई दिखाई दे रही है, तब भारत दोनों ही कैम्पों के विभिन्न देशों में विदेश व्यापार बढ़ाने की संभावनाओं को मुट्ठियों में लेने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दरअसल, पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी कंपनियों सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा रूस में अपना कारोबार बंद कर दिया गया है। ऐसे में भारतीय कंपनियों के लिए रूस में तमाम मौके दिख रहे हैं। रूस में भारत की उपभोक्ता कंपनियों से लेकर दवा निर्माता कंपनियों द्वारा तेजी से अपना कामकाज बढ़ाया जा रहा है। भारतीय कंपनियां मौजूदा रूसी बाजार का एक बड़ा हिस्सा अपनी मुट्ठियों में लेने के लिए सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रही हैं। भारत के निर्यातकों द्वारा भी रूस की सरकारी कंपनियों को विभिन्न उत्पादों के निर्यात बढ़ाए जा रहे हैं। ऐसे में रूस के साथ रुपये में लेन-देन भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। वस्तुत: अब दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी लाभप्रद है कि भारत गुणवत्तापूर्ण और किफायती उत्पादों के निर्यात के लिहाज से एक बढ़िया प्लेटफॉर्म है। कोविड-19 के कारण दुनियाभर में चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के बीच भारत ने कोरोना से लड़ाई में सबके प्रति सहयोगपूर्ण रवैया अपनाकर पूरी दुनिया में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाई है। दुनियाभर में चीनी कंपनियों की जगह भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे भी भारत के विदेश व्यापार के नए मौके बढ़े हैं।

गौरतलब है कि विगत 27-28 जून को दुनिया के सात विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। जी-7 द्वारा चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जवाब में विकासशील देशों में ढांचागत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2027 तक 600 अरब डॉलर के निवेश की महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया गया है। ऐसी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भारत की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। 26 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी में भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत चौथी औद्योगिक क्रांति की अगुवाई, सूचना प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के बढ़ते कदमों के तहत भारत के विदेश व्यापार की संभावनाओं को रेखांकित किया, उससे जर्मनी सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत के लिए विदेश व्यापार के मौके बढ़ेंगे।

कोविड-19 और यूक्रेन संकट के बीच भी दुनिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के विदेश व्यापार बढ़ने का नया दौर आगे बढ़ रहा है। विगत 24 मई को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक मंच क्वाड के दूसरे शिखर सम्मेलन में चारों देशों ने जिस समन्वित शक्ति का शंखनाद किया है और बुनियादी ढांचे पर 50 अरब डॉलर से अधिक रकम लगाने का वादा किया है, उससे क्वाड देशों में भारत के उद्योग-कारोबार के लिए नए मौके निर्मित होंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि अमेरिका की अगुवाई में 24 मई को बनाए गए संगठन हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) के सदस्य देशों की 11 जून को पेरिस में आयोजित हुई अनौपचारिक बैठक के बाद इसके सदस्य देशों के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई गतिशीलता मिलने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दी हैं। आईपीईएफ पहला बहुपक्षीय करार है, जिसमें भारत शामिल हुआ है। इसमें अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। वहीं ब्रिक्स देशों और जी-20 देशों के साथ तेजी से आगे बढ़े भारत के द्विपक्षीय व्यापार संबंधों और इसी वर्ष 2022 में यूरोपीय देशों के साथ किए गए नए आर्थिक समझौतों के क्रियान्वयन से भी भारत का विदेश व्यापार बढ़ेगा। कम समय में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को मूर्तरूप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि एक मई, 2022 को भारत और यूएई के बीच एफटीए लागू हो गया है। इस एफटीए से भारत और यूएई के बीच वस्तुओं का कारोबार 5 साल में दोगुना बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जो इस समय करीब 60 अरब डॉलर है। इसी तरह विगत 2 अप्रैल को 'भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते' पर भी हस्ताक्षर किए गए है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए नए मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार को करीब 27 अरब डॉलर से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर तक पहुंचाए जाने में मदद मिलेगी। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ एफटीए होने पर इन देशों के बाजारों के दरवाजे भारत के उत्पादों के लिए तेजी से खुलेंगे।

मानसून में इन रोगों से ऐसे करें बचाव

मानसून का मौसम अपने साथ कई बीमारियों को भी लेकर आता है। इस मौसम में सर्दी, जुकाम और बुखार का होना सबसे सामान्य है। किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को इस मौसम में इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कौन सी वो पांच समस्याएं हैं जो मानसून मौसम में व्यक्ति को अपना शिकार बना सकती है और क्या हैं इनसे बचने के उपाय।

त्वचा रोग

बारिश के मौसम में व्यक्ति को चर्म रोग, घमौरी, फोड़े-फुंसी आदि होने की आशंका बहुत अधिक बनी रहती है। ये सभी फंगल इंफेक्शन के रूप हैं, जो नमी के कारण समस्या पैदा करते हैं। इससे बचने के लिए बारिश में भीगने पर तुरंत कपड़े बदल लें। अपनी त्वचा को सूखा रखें। शरीर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

पेट की गड़बड़ी

बरसात के मौसम में पाचन क्रिया कमजोर होने की वजह से पेट खराब होना एक आम समस्या होता है। इस मौसम में डायरिया, उल्टी, दस्त अकसर लोगों के लिए परेशानी का सबब बन जाते हैं। ऐसे में इस मौसम में खाने-पीने का खास ख्याल रखें। हल्का भोजन करें और खाने के बाद टहलने की आदत डालें ताकि खाना आसानी से पच सके।

आई फ्लू

आई फ्लू मानसून में होने वाली आम बीमारी है। इसके लक्षण आंखों में जलन, सूजन, पानी आना, आंखें चिपकना, आंखों में दर्द होना आदि हैं। इससे बचाव के लिए आप अपनी आंखों को साफ पानी से दिन में कई बार धोएं। आंखों में नियमित रूप से गुलाबजल डालें। अगर इन्फेक्शन हो जाए तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

मलेरिया और डेंगू का खतरा

तेज बारिश के चलते जगह-जगह पर पानी भर जाता है। जमा पानी में मच्छर पैदा होने का खतरा होता है। ये मच्छर मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैलते हैं। डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो किसी व्यक्ति के शरीर में ब्लड प्लेटलेट काउंट को तेजी से कम कर देती है और ये जानलेवा भी साबित हो सकता है। इस बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है मच्छर भगाने की दवाइयों का इस्तेमाल, शाम होने से पहले घर के दरवाजे, खिड़कियों को बंद कर दें। साथ ही कोशिश करें कि आपके घर के आसपास पेड़ पौधों में पानी जमा ना रहे।

फूड पॉइजनिंग

बारिश के मौसम में फूड पॉइजनिंग का भी खतरा बना रहता है। इस बीमारी में पेट में ऐंठन, मिचली, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगती है। फूड पॉइजनिंग होने पर रोगी शरीर में कमजोरी अनुभव करने लगता है। इस बीमारी में शरीर के अंदर पानी की कमी होने लगती है। इस अवस्था में कच्चा आहार जैसे सलाद न खाएं। सड़क के किनारे मिलने वाले चाट को भी खाने से बचें। उनको बनाने के लिए दूषित पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- ये कैसे हस्ताक्षर हैं? टोलू - यह हस्ताक्षर मेरी दादी के हैं। बैंक मैनेजर- ऐसा अजीब हस्ताक्षर? नाम क्या है उनका? टोलू- जलेबी बाई।

डॉक्टर का एक पड़ोसी बहुत बड़ा नशेड़ी था और खूब शराब पीता था। डॉक्टर ने एक दिन उसको समझते हुए कहा- शराब का नशा आहिस्ता -आहिस्ता इंसान को मार देता है। नशेड़ी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- तो डॉक्टर साहब मुझे कौन सा मरने की जल्दी है।

प्रेमी- बेवफा तूने दिल जला दिया, मेरा दिल जलाकर राख कर दिया। प्रेमिका- तेरी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। भेज दे राख, बर्तन मांजने के काम आएगी।

मम्मी मैं आज रात को सू-सू करने गया तो पता है क्या हुआ? मम्मी- नहीं तो! क्या हुआ? बच्चा- मैंने जैसे ही बाथरूम का दरवाजा खोला ना तो लाइट अपने आप चालू हो गई और ठंडी-ठंडी हवा आने लगी। उसकी बात सुनकर मम्मी गुस्से में बोली- तू आज फिर फ्रिज में टॉयलेट कर आया।

प्रेमी- बेवफा तूने दिल जला दिया, मेरा दिल जलाकर राख कर दिया। प्रेमिका- तेरी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। भेज दे राख, बर्तन मांजने के काम आएगी।

कहानी | स्वभाव नहीं बदला जा सकता

किसी वन में एक सिंह अपनी पत्नीके साथ रहा करता था। एक बार सिंही ने दो पुत्रों को जन्म दिया। सिंह वन में जाकर भांति-भांति के पशुओं को मारकर अपनी पत्नी के लिए लाया करता था। किन्तु एक दिन की बात है कि दिन भर घूमने पर भी सिंह को कोई शिकार हाथ नहीं लगा। इसी निराशा में वह घर वापस आ रहा था कि मार्ग में उसको एक सियार का बच्चा मिल गया। सिंह ने उसे उठाया और जीवित अवस्था में ही घर लाकर उसको अपनी पत्नी को सौंप दिया। सिंही ने पूछा, आज भोजन के लिए कुछ नहीं मिला? नहीं, इसके अतिरिक्त कुछ मिला ही नहीं। इसको भी शिशु समझकर मैंने मारा नहीं। क्योंकि कहा गया है कि प्राण पर संकट आने पर भी बालक की हत्या नहीं करनी चाहिए। अब तुम तो भूखी हो इस समय इसका ही आहार कर लो। शेरनी बोली, जब बालक समझकर तुमने नहीं मारा तो मां होकर अपने पेट के लिए मैं इसकी हत्या क्यों करूं? प्राण जाने पर भी मनुष्य को किसी प्रकार का अकृत्य नहीं करना चाहिए। आज से यह मेरा तृतीय पुत्र है। उस दिन से उस सिंही ने उस सियार के शिशु को भी अपने शिशुओं की ही भांति अपना दूध पिलाना आरम्भ कर दिया। इस प्रकार वह सियार शिशु सिंह-शिशुओं के साथ आहार-विहार करता हुआ आनन्द से दिन बिताने लगा। कुछ दिनों बाद एक जंगली हाथी उस वन में भटकता हुआ आ निकला। उसको देखकर सिंह के दोनों शिशु उस पर क्रूद्ध होकर उसकी और दौड़ पड़े। उनको जाते देखकर उस सियार ने अपने सिंह भाइयों से कहा, यह तो हाथी है! हाथी सिंह-कुल का स्वाभाविक शत्रु होता है, उसकी ओर नहीं जाना चाहिए। यह कहकर वह घर की ओर भाग गया। उसको भागता देखकर सिंह-शिशु भी निरुत्साहित होकर घर को लौट आए। किसी ने ठीक ही कहा है कि यदि युद्धभूमि से एक भी कायर भागने लगता है तो शेष सेना का भी उत्साह क्षीण हो जाता है। घर पहुंचकर दोनों सिंह-शिशुओं ने सियार के हाथी को देखकर भाग आने की बात का उपहास किया। इससे सियार के बच्चे को क्रोध आ गया और उसने क्रोध में उनको भला-बुरा कहा। उसे क्रोधित देख, एकान्त में जाकर सिंही ने कहा, बेटे! वे दोनों तुम्हारे छोटे भाई हैं। तुम्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए। सियार का क्रोध शान्त नहीं हुआ। वह कहने लगा, मैं क्या इनसे कम हूं। मैं इनको अपमान का मजा चखाऊंगा। सिंही बोली, हां बेटे! तुम कहते तो ठीक हो। तुम वीर हो, तुम विद्वान हो और तुम दर्शनीय भी हो। किन्तु जिस कुल में तुम उत्पन्न हुए हो उस कुल में हाथी का शिकार नहीं किया जाता। अब तुमने क्रोध कर ही लिया है तो मैं तुम्हें बताती हूं। तुम सियार हो, मैंने तुम्हें अपना दूध पिलाकर पालन-पोषण किया है। मेरे ये दोनों शिशु जब तक यह नहीं जानते कि तुम सिंह नहीं सियार हो, तब तक ही तुम्हारी कुशल है। इसलिए अच्छा यही है कि तुम अभी चुपचाप यहां से खिसक जाओ, अन्यथा यदि किसी दिन इनको पता लग गया तो ये तुमको मारे बिना नहीं छोड़ेंगे। सिंही की बात सुनकर सियार का बच्चा भय से कांप उठा। वह चुपचाप वहां से खिसककर, किसी प्रकार अपनी जान बचा अपने जातियों में जाकर मिल गया। इसलिए कहते हैं अपनी जात-बिरादरी के साथ ही रहना चाहिए, क्योंकि हम अपने स्वभाव नहीं बदल सकते।

शिक्षा: जन्म से मिले हुए गुण संगत बदलने पर नहीं बदल सकते।

10 अंतर खोजें

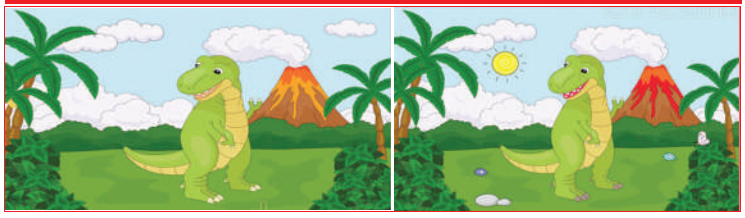

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी। कामकाज का टेंशन भी बढ़ सकता है। पुराने मुददे न उठाएं। प्रेम जताने में संकोच न करें। वाहन चलाते वक्त सावधानी जरूरी है।

वृषभ
आज आप काल्पनिक दुनिया में ही दिन व्यतीत करेंगे। सृजनात्मक शक्ति को भी उचित दिशा मिल जाएगी। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा। पिता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

मिथुन
आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। आप अपने सहपाठियों के साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क
आज परिवारजनों और मित्रों के साथ खान-पान का आयोजन होगा। सेहत अच्छी रहेगी। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
बिजनेस में फायदा कुछ कम होगा। ट्रांसफर की स्थिति बन सकती है या ऐसी कोई खबर भी आपको मिल सकती है। नौकरी और कारोबार में पैसों का मामला उलझ सकता है।

कन्या
आज आप अत्यधिक आशावादी न बनें और अत्यधिक सतर्क रहने का प्रयास करें। तीव्र प्रगति के बावजूद आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है।

तुला
आज दैनिक कार्यों में दिन बीतेगा। परिजनों का स्वास्थ्य बिगड सकता है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

वृश्चिक
आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में कुछ दोस्तों के सहयोग से आपका प्रोजेक्ट पूरा होगा।

धनु
सेहत संबंधी मामलों को छोड़कर, दिन आपके लिए भाग्यशाली है। आपकी मां और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी आपको कुछ परेशान कर सकता है।

मकर
आज रोजमर्रा के कामों में मन नहीं लगेगा। मन में आती कुछ बातें आपको दुखी कर सकती हैं। आप अति उत्साह और जल्दबाजी में कोई काम बिगाड़ भी सकते हैं।

कुम्भ
आप एक महत्वाकांक्षी योजना में प्रवेश कर सकते हैं। यदि आप एक साझेदारी या संघ में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है।

मीन
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात हो सकती है। ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है।

आलिया और रणबीर ने फैन्स को दी एक और गुड न्यूज

बॉलीवुड मसाला

आलिया भट्ट और अभिनेता रणबीर कपूर पहली बार बड़े पर्दे पर फिल्म ब्रह्मास्त्र में एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। ऐसे में रणबीर और आलिया के फैन्स इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटिड है। फिल्म से जुड़ी हर जानकारी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। रणबीर- आलिया की शादी के वक्त ब्रह्मास्त्र के गाने केसरिया का टीजर रिलीज किया गया था, जो काफी वायरल हुआ था और इसके बाद से ही फैन्स इसके फुल वर्जन की डिमांड कर रहे थे, ऐसे में अब फैन्स की इच्छा पूरी हो गई है और आलिया ने फैन्स को गुड न्यूज दी है और बताया है कि ये गाने कब रिलीज हो रहा है। आलिया की प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज के बाद अब फैन्स इसे दूसरी बड़ी गुड न्यूज मान रहे हैं। ब्रह्मास्त्र के पहले सॉन्ग केसरिया पहले ही रिलीज होने वाला था, लेकिन किसी वजह से ऐसा हो नहीं पाया, जिसके चलते फैन्स इस गाने के लिए और भी उत्सुक हो गए। हालांकि अब कंफर्म है कि केसरिया, 17 जुलाई को रिलीज होगा और आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। आलिया भट्ट ने केसरिया का प्रोमो वीडियो शेयर किया है, जिस में गाने के साथ ही कई सोशल मीडिया यूजर्स के कमेंट के स्क्रीनशॉट्स हैं, जो केसरिया को जल्द से जल्द रिलीज करने की बात कर रहे हैं। वीडियो के आखिर में स्क्रीन पर लिखा आता है, केसरिया कल रिलीज होगा।

आलिया भट्ट का ये पोस्ट तेजी से वायरल होना शुरू हो गया है। आलिया के फैन्स काफी खुश हैं और कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस को शुक्रिया कहते हुए प्यार लुटा रहे हैं। एक फैन ने लिखा- इस गुड न्यूज का तो कबसे इंतजार था।

बॉलीवुड मन की बात

बॉलीवुड पर फूटा विवेक अग्निहोत्री का गुस्सा

विवेक रंजन अग्निहोत्री फिल्मों के अलावा अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ पर एसआईटी की ओर से किए गए सनसनीखेज खुलासे के बाद उनका गुस्सा फूट पड़ा है। इस मुद्दे पर उन्होंने ट्वीट के जरिए बॉलीवुड पर निशाना साधा है। डायरेक्टर ने इस मुद्दे को शाहीन बाग और किसान आंदोलन से जोड़ते हुए सोशल मीडिया पर फिल्मी सितारों पर तीखे वार किए हैं। बॉलीवुड के जाने माने फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री फिल्मों के अलावा अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ पर एसआईटी की ओर से किए गए सनसनीखेज खुलासे के बाद उनका गुस्सा फूट पड़ा है। इस मुद्दे पर उन्होंने ट्वीट के जरिए बॉलीवुड पर निशाना साधा है। डायरेक्टर ने इस मुद्दे को शाहीन बाग और किसान आंदोलन से जोड़ते हुए सोशल मीडिया पर फिल्मी सितारों पर तीखे वार किए हैं। विवेक अब तक बॉलीवुड की कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, लेकिन उन्हें असली पहचान द कश्मीर फाइल्स से मिली। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अनुपम खेर स्टारर इस फिल्म ने 250 करोड़ की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया था। यह फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म है। विवेक अब तक बॉलीवुड की कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, लेकिन उन्हें असली पहचान द कश्मीर फाइल्स से मिली। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अनुपम खेर स्टारर इस फिल्म ने 250 करोड़ की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया था। यह फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म है।

रानी चटर्जी ने वेस्टर्न स्टाइल में जीता फैंस का दिल

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों काफी लोकप्रिय होती जा रही है। एक तरफ भोजपुरी गाने और फिल्में लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं तो वहीं इन फिल्मों और गानों में नजर आने वाले कलाकार भी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो चुके हैं। भोजपुरी सिनेमा की बढ़ती लोकप्रियता के चलते आज देशभर में भोजपुरी कलाकारों की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ गई है। इंडस्ट्री के इन्हीं कलाकारों में से एक जानी-मानी अभिनेत्री रानी चटर्जी। भोजपुरी सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार रानी देशभर में काफी लोकप्रिय हैं। अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने वाली रानी सोशल मीडिया के जरिए भी लोगों से जुड़ी रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन इंटरनेट पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस भी बेसब्री से उनकी फोटोज और वीडियोज का इंतजार करते रहते हैं। इसी क्रम में एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। सामने आई इस तस्वीर में रानी चटर्जी का एक नया अंदाज देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री का यह अंदाज उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। रानी ने हाल ही में अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

हर वक्त मुस्कुराएं वरना देना पड़ेगा जुर्माना कर्मचारियों के लिए मेयर का आदेश!

दुनिया में तरह-तरह के देश हैं और उनके रहन-सहन के अपने तरीके हैं। कहीं कुछ अलग किस्म का कानून है तो कहीं वक्त-वक्त पर अजीबोगरीब नियम लगाए जाते हैं। एक ऐसा ही नियम फिलीपींस में एक मेयर ने स्थानीय स्तर पर लगाया है। उनकी इस पॉलिसी का नाम स्माइल पॉलिसी है, जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों को मुस्कुराते रहने का आदेश मिला है। ऐसा नहीं है कि ये आदेश यूं ही दिया गया है, अगर कोई इसका पालन नहीं करेगा तो उसे इसके लिए सजा भी मिलेगी। इस तरह के नियम के जरिये मेयर चाहते हैं कि लोगों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और जब वे अपने काम के लिए आएं तो उन्हें खुशहाल माहौल मिल सके। सुनने में ये नियम जरा अजीब जरूर है लेकिन इस वक्त ये दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा है। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक मेयर एरिस्टोटल अगूरी स्थानीय सरकार के स्तर पर सेवाओं में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने इस महीने लूज़ोन द्वीप के क्यूज़ॉन प्रांत के मूलाने टाउन में कार्यभार संभाला है और इसके बाद ही वे स्माइल पॉलिसी लेकर आए हैं। इस पॉलिसी को सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने इसके पीछे का मकसद बताते हुए कहा है- लोगों को सेवाएं देते हुए शांतिपूर्ण और सहज माहौल होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि ये आदेश उन्होंने यूं ही दिया है, उन्हें स्थानीय स्तर पर अच्छा व्यवहार न होने की शिकायतें मिली थीं। फिलहाल मेयर बन चुके एरिस्टोटल अगूरी इससे पहले एक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट भी रह चुके हैं। ऐसे में वे चाहते हैं कि सरकारी कर्मचारियों के रवैये में बदलाव आना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति रॉड्रिगो डुतेर्ते के प्रशासन में पूर्व न्याय सचिव रह चुके एक अधिकारी के बेटे अगुरे को ब्यूरोक्रेसी के बारे में काफी कुछ पता है और वे ऐसी नगरपालिका बनाना चाहते हैं, जहां आसानी से काम हो सके। स्माइल पॉलिसी के तहत उन्होंने कर्मचारियों को साफ कहा है कि अगर वे इस आदेश को मानने में आनाकानी करेंगे तो उनकी 6 महीने की सैलरी काट ली जाएगी या फिर वे काम से निलंबित भी किए जा सकते हैं।

अजब-गजब | खोपड़ी का तकिया बना सोते हैं चैन की नींद

दुश्मनों का सिर काट मांस खा जाती है ये जनजाति

दुनिया में इंसान काफी सदियों से रह रहे हैं। समय के साथ लोगों ने अपने रहन-सहन का तरीका बदल लिया। इसके साथ ही कई तरह के बदलाव अपनी लाइफस्टाइल में किया। लेकिन कुछ ऐसे भी लोगों का समूह है,जिसने इन बदलावों को अपनाने से मना कर दिया। इसका नतीजा हुआ कि ये आज के समय में भी काफी पिछड़े हैं। इनकी लाइफस्टाइल और इनकी आदतें सदियों पुरानी ही है। ऐसी ही एक जनजाति है न्यू गिनी की अस्मत जनजाति।

न्यू गिनी के घने जंगलों के बीच रहने वाले इस जनजाति के लोग आज भी मॉडर्न जिंदगी से अनजान हैं। अस्मत ट्राइब के लोग आज भी अपने पुराने मान्यताओं और परम्पराओं को मानते हैं। इन्हें ज्यादातर बेहतरीन शिकारी के तौर पर जाना जाता है। इस ट्राइब की एक परंपरा जो इन्हें मशहूर बनाती है, वो है इनका अपने दुश्मनों को मारकर पका कर खा जाना। जी हां, अस्मत जनजाति अपने दुश्मनों का शिकार कर उनका सिर काट देते हैं। इसके बाद सिर से स्किन छील कर उसे पका कर खा जाते हैं। दुनिया में इंसान काफी सदियों से रह रहे हैं। समय के साथ लोगों ने अपने रहन-सहन का तरीका बदल लिया। इसके साथ ही कई तरह के बदलाव अपनी लाइफस्टाइल में किया। लेकिन कुछ ऐसे भी लोगों का समूह है, जिसने इन बदलावों को अपनाने से मना कर दिया। इसका नतीजा हुआ कि ये आज के समय में भी काफी पिछड़े हैं। इनकी लाइफस्टाइल और इनकी आदतें सदियों पुरानी ही है। ऐसी ही एक जनजाति है न्यू गिनी की अस्मत जनजाति। न्यू गिनी के घने जंगलों के बीच रहने वाले इस जनजाति के लोग आज भी मॉडर्न जिंदगी से अनजान हैं। अस्मत ट्राइब के लोग आज भी अपने पुराने मान्यताओं और परम्पराओं को मानते हैं। इन्हें ज्यादातर बेहतरीन शिकारी के तौर पर जाना जाता है। इस ट्राइब की एक परंपरा जो इन्हें मशहूर बनाती है, वो है इनका अपने दुश्मनों को मारकर पका कर खा जाना। जी हां, अस्मत जनजाति अपने दुश्मनों का शिकार कर उनका सिर काट देते हैं। इसके बाद सिर से स्किन छील कर उसे पका कर खा जाते हैं हैं। अस्मत जनजाति के लोग खोपड़ी खाने से पहले काफी तैयारी करते हैं। जनजाति के मर्द खोपड़ी से पूरी स्किन हटाते हैं। इसके बाद जो खोपड़ी बच जाती है उसे भट्ठी में सेंका जाता है। इस जनजाति का मानना है कि खोपड़ी काफी पवित्र चीज है। इसे ये लोग पेड़ के फल सा मानते हैं। एक बार खोपड़ी भट्ठी में सेंक ली जाती है, इसके बाद ये गहने की तरह बेशकीमती हो जाता है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में दिया जाने लगता है।

सावन का पहला सोमवार : हर-हर महादेव से गूंजे शिवालय

» भक्तों ने मनकामेश्वर मंदिर में किया भगवान शिव का अभिषेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सावन के पहले सोमवार पर देश भर के शिवालयों में दर्शन, पूजन और रुद्राभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। हर-हर महादेव की गूंज के बीच दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भी सुबह से भक्तों की कतार दर्शन-पूजन के लिए लगी रही।

सावन के पहले सोमवार के चलते डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भव्य सजावट की गई है। मनकामेश्वर मंदिर में महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग कतार का प्रबंध किया गया है। एक-एक अलग कोने से महिलाओं और पुरुषों ने महादेव का जलाभिषेक किया। वहीं चौक स्थित कोनेश्वर महादेव मंदिर में भी बाबा के श्रृंगार और पूजन के लिए विशेष तैयारियां की गईं।

राजेंद्र नगर के महाकाल मंदिर में सावन के सोमवार पर भोर चार बजे भस्म आरती हुई। भस्म आरती में शामिल होने के लिए दूर दराज से भी आए भक्तजन शामिल हुए। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। चौक के कोतवालेश्वर मंदिर में भी सावन के पहले सोमवार को लेकर रौनक रही। यहां सावन के अंतिम सोमवार को महादेव नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे।

महंगाई की मार से जनता बेहाल बेफिक्र है भाजपा सरकार : अखिलेश

» घरेलू अर्थव्यवस्था हो गई चौपट, जीएसटी दर बढ़ाकर किया जा रहा शोषण

» गरीबों को राहत देने के बजाय पूंजीपतियों को दी जा रहीं रियायतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि महंगाई की मार से जनता की बुरी हालत है। जनता जितनी परेशानी में है हुक्मरान उतने ही बेफिक्र दिखाई दे रहे हैं। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का बुरा हाल है। घरेलू अर्थव्यवस्था चौपट है लेकिन भाजपा सरकार की संवेदनहीनता कम होने का नाम नहीं ले रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में एक डॉलर के मुकाबले रुपया 80 के पार हो गया है इससे अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई के कारण विदेशों में पढ़ाना, विदेश यात्रा करना सब मुश्किल हो गया है। खाद, बीज, कृषि यंत्र सभी महंगे हैं। मोबाइल, कार खरीदना महंगा हो गया है। व्यापार घाटा बढ़ गया है। आयात महंगा हो जाने से देश की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो गई है। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था लाने की जिद में गरीब को और गरीब बना रही है। पौष्टिक आहार पर जीएसटी की दरें बढ़ाकर आम जनता को प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा सरकार पैकेज्ड और लेबल वाली दही, लस्सी, पनीर, शहद, मांस, मछली सहित आटा, दाल, चीनी, एलईडी लैंप और लाइट्स के साथ चेक बुक, होटल के कमरे आदि सभी पर जीएसटी दरें बढ़ाकर जनजीवन को मुश्किल बनाकर जनता का शोषण कर रही है।

उन्होंने कहा कि महंगाई की तपिश से परेशान लोगों का जिस तेजी से बजट बढ़ा है, उस अनुपात में आय नहीं बढ़ी है। इससे लोगों की घरेलू अर्थव्यवस्था बिगड़ गयी है। इस भीषण महंगाई में जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है। महीने के राशन का खर्च लगभग 100 फीसदी बढ़ गया है। बैंकों ने लोन पर ब्याज की दरें बढ़ा दी है। भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियां इसकी जिम्मेदार हैं। भाजपा ने गरीबों, मध्यमवर्ग को राहत देने के बजाय बड़े पूंजीघरानों को तमाम रियायतें देने का काम अब तक किया है। ऐसी जनविरोधी सरकार को पीड़ितजन कब तक बर्दाश्त करेंगे?

धनखड़ को मिला ममता सरकार को परेशान करने का इनाम : टीएमसी

» जगदीप धनखड़ को एनडीए ने बनाया है उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

» पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे हैं धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता : उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) ने जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के इस फैसले पर पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने खास प्रतिक्रिया दी है।

टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने कहा कि जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल प्रशासन के लिए मुश्किलें पैदा करने और परेशान करने वाले तत्व थे। धनखड़ का नामांकन बंगाल सरकार के जीवन को दुखद बनाने का इनाम है। हमें राहत है कि उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका नामांकन हुआ है। टीएमसी प्रवक्ता और वरिष्ठ मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, धनखड़ ने भाजपा के प्रवक्ता के तौर पर काम किया है। भाजपा प्रवक्ता के तौर पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और इसलिए उन्हें पुरस्कार मिला है। खास बात है कि पश्चिम बंगाल सरकार और राज्यपाल के तौर पर धनखड़ के बीच तनाव की खबरें आती रही हैं। गौरतलब है कि धनखड़ आज उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं। एआईएडीएमके और बीजेडी ने भी एनडीए उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान किया है।

राष्ट्रपति ने मंजूर किया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया। धनखड़ को एनडीए के ओर से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार नामित किया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर जारी एक अधिसूचना में बताया गया है कि धनखड़ के इस्तीफे के बाद मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।

चिकित्सा शिविर में निशुल्क लगी बूस्टर डोज

» इकाना मेडिकेयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने आयोजित किया शिविर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार के गंगा अपार्टमेंट में वृहद चिकित्सा शिविर का आयोजन इकाना मेडिकेयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों का निशुल्क परीक्षण किया गया एवं उन्हें दवा व परामर्श दी गई। शिविर में आए लोगों को निशुल्क कोविड वैक्सीन व बूस्टर डोज भी लगाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता तिवारी मौजूद रही। संगीता तिवारी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संवेदनशील हैं और उसी का नतीजा हैं कि कोरोनो जैसी महामारी पर हमने विजय पाई हैं। ऐसे शिविर से समाज में जागरूकता आती हैं। 450 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। इकाना अस्पताल के मालिक डा. शिवम तिवारी ने कहा कि हमारा मूल मंत्र नर सेवा नारायण सेवा है। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिलाषा मिश्रा, अनीता तिवारी, अनामिका पांडेय, सुमित सिंह, मोनिका कुमारी, अशोक गुप्ता, राघवेंद्र शुक्ला, डॉ. दीक्षा, डॉ. अनुपमा आदि मौजूद रहीं।

नगर निकाय चुनाव : सिंधिया के गढ़ पर कांग्रेस का कब्जा

» सिंगरौली में आम आदमी पार्टी ने भाजपा-कांग्रेस को दी शिकस्त

» पांच नगर निगमों का रिजल्ट आना है अभी बाकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2023 में होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का परफॉर्मेंस पिछली बार से सुधरा नजर आया। सबसे बड़ा उलटफेर ग्वालियर में देखने को मिला। ग्वालियर नगर निगम भाजपा का गढ़ माना जाता था लेकिन इस बार यहां पार्टी का जादू नहीं चला। ग्वालियर में सिंधिया परिवार के पूरी तरह भाजपाई होने के बावजूद कांग्रेस ने 57 साल बाद अपना महापौर जितवा लिया।

रविवार को आए परिणाम के मुताबिक, पहले चरण के 11 में से 7 नगर निगमों में भाजपा का महापौर होगा जबकि कांग्रेस को जबलपुर, ग्वालियर और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में सफलता हासिल हुई है। प्रदेश के निकाय चुनाव में पहली बार किसी तीसरी पार्टी की एंट्री हुई है। आम आदमी पार्टी ने सिंगरौली नगर निगम पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के एक पार्षद ने भी चुनाव जीत कर पार्टी को यह उपलब्धि हासिल करवाई है। हालांकि, दूसरे चरण में 20 जुलाई को 5 नगर निगमों के रिजल्ट आना अभी बाकी है। भाजपा ने प्रदेश की राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सतना, बुरहानपुर, खंडवा और सागर में परचम लहराया है जबकि पार्टी को छिंदवाड़ा, जबलपुर और ग्वालियर में कांग्रेस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने 18 साल बाद वापसी कर ली है। सिंगरौली में आम आदमी पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। आप मेयर उम्मीदवार रानी अग्रवाल ने यहां से जीत हासिल की है।

राष्ट्रपति चुनाव: पीएम मोदी, राजनाथ सिंह सीएम योगी और अखिलेश ने डाला वोट

» पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने व्हीलचेयर से पहुंचकर डाला वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के 15वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान जारी है। इस मतदान में कुल 4800 निर्वाचित सांसद और विधायक हिस्सा ले रहे हैं। चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीच मुकाबला है। बताया जा रहा है कि देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर पहली बार आदिवासी महिला की ताजपोशी तय है। 27 दलों के समर्थन के साथ द्रौपदी मुर्मू का पलड़ा भारी है। वहीं महज 14 दलों का समर्थन के साथ सिन्हा को करीब 3.62 लाख वोट ही मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति के लिए हो रहे चुनाव में संसद भवन और राज्य की विधानसभाओं में वोटिंग जारी है।

पीएम नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जयंत चौधरी, हेमामालिनी के अलावा कई सांसद और केंद्रीय मंत्री वोट डाल चुके हैं। वहीं कई राज्यों के सीएम भी मतदान कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य, सपा प्रमुख व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव, सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर सहित विधायक राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग कर रहे हैं। बता दें कि वोटों का गणित अगर देखे तो द्रौपदी मुर्मू की जीत पक्की मानी जा रही है। अगर द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनती हैं तो वह आदिवासी समुदाय की देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली पहली शख्सियत होंगी। मतदान के बाद सभी राज्यों से मत पेटियां दिल्ली लाई जाएंगी और 21 जुलाई को वोटों की गिनती के बाद देश के नए राष्ट्रपति के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। 25 जुलाई को नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण होगा।

जगदीप धनखड़ ने किया नामांकन

एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए आज अपना नामांकन पीएम मोदी व नड्डा की मौजूदगी में दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के बाद धनखड़ ने कहा कि मैं हमेशा देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ाने का प्रयास करूंगा।

अपनी ही सरकार को वरुण गांधी ने फिर घेरा

खाद्य पदार्थों पर लगा जीएसटी तो बीजेपी सांसद ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज से आम लोगों पर महंगाई का और अधिक असर पड़ने जा रहा है। रोज की जरूरी चीजें जैसे दूध, दही, लस्सी, चावल, पनीर और अन्य की कीमतें बढ़ सकती हैं। इतना ही नहीं, अस्पतालों में इलाज के लिए भी अब अधिक पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। दरअसल सरकार ने कई वस्तुओं पर जीएसटी की दरों में बढ़ोतरी कर दी है। इसी को लेकर बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही मोदी सरकार पर तंज कसा है।

वरुण गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि आज से दूध, दही, मक्खन, चावल, दाल, ब्रेड जैसे पैक्ड उत्पादों पर जीएसटी लागू है। रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी के बीच लिया गया यह फैसला मध्यमवर्गीय परिवारों और विशेषकर किराए के मकानों में रहने वाले संघर्षरत युवाओं की जेबें और हल्की कर देगा। जब 'राहत' देने का वक्त था, तब हम 'आहत' कर रहे हैं। वरुण गांधी के ट्वीट के बाद लोगों प्रतिक्रिया देने लगे हैं। दीपेंद्र सिंह नाम के यूजर ने लिखा कि 'देश को फिर से गुलामी की तरफ ले जाया जा रहा है, आपको अब घर से निकल कर सड़क पर संघर्ष करना चाहिए। युवा आपकी तरफ देख रहे है।'

उपराष्ट्रपति पद पर अल्वा व धनखड़ में कड़ा मुकाबला

विपक्ष का धनखड़ को वाकओवर नहीं देने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव में राजग-भाजपा को राजनीतिक वाकओवर नहीं देने की अपनी रणनीति के तहत विपक्षी दलों ने राजस्थान की पूर्व राज्यपाल और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मारग्रेट अल्वा को अपना साझा उम्मीदवार बनाया है। राकांपा प्रमुख शरद पवार की अगुआई में हुई 17 विपक्षी दलों की बैठक में 80 वर्षीय अल्वा को सर्वसम्मति से विपक्ष का उम्मीदवार बनाने का फैसला हुआ।

विपक्षी दलों की बैठक में राजग उम्मीदवार धनखड़ को वाकओवर नहीं देने का फैसला हुआ है। शरद पवार ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी करेंगी अल्वा का समर्थन। मौजूदा वक्त में वोटों के समीकरण पर गौर करें तो धनखड़ का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

एमपी: नर्मदा नदी में गिरी बस, 14 की मौत

» मध्य प्रदेश के धार जिले में हुआ हादसा

» 15 लोग बचाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के धार जिले के धामनोद खलघाट में 55 यात्रियों से भरी एक बस पुल की रेलिंग तोड़कर नर्मदा नदी में गिर गई। बस के नदी में गिर जाने से 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 15 लोगों को बचा लिया गया। बाकी यात्रियों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बस पूरी तरह से पानी में डूबी हुई थी, इस कारण 14 लोगों की मौके पर मौत हो गई। खरगोन-धार डीएम और एसपी मौके पर पहुंच गए हैं।

एसपी खरगोन धर्मवीर सिंह का कहना है कि 14 शव बाहर निकाल लिए गए हैं जबकि 15 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। बचाए गए लोगों में से 5-7 लोगों की हालत बेहद गंभीर है, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ताजा मिली जानकारी के अनुसार बस महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम की थी, जो इंदौर से महाराष्ट्र जा रही थी, उसे क्रेन की मदद से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। बस ने खलघाट में 10 मिनट का ब्रेक लिया था। बताया जा रहा है कि आगे बढ़ने पर गलत दिशा से आ रहे वाहन को बचाने के लिए रेलिंग को तोड़ते हुए बस नदी में गिर गई। हालांकि बारिश की वजह से बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। इसमें इंदौर के सरवटे बस स्टैंड से 12 यात्री सवार हुए थे, इसके साथ ही 7 परिवार और 13 बच्चे होने की जानकारी सामने आ रही है। मध्य प्रदेश के मंत्री नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि इंदौर से पुणे जा रही महाराष्ट्र रोडवेज की बस धार जिले के खलघाट संजय सेतु से गिरकर 15 लोगों की मौत हो गई, 15 को बचा लिया गया। रेस्क्यू ऑप्रेशन जारी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।